>

Title: Need to accord the status of Central University to Lalit Narayan Mithila University.

श्री गोपाल जी ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, यह इतिहास बन गया । मैं दरभंगा संसदीय क्षेत्र से आता हूं । वहां ललित नारायण मिश्रा विश्वविद्यालय है । हम आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहते हैं कि उस विश्विद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा मिले । मिथिला भारत भूखंड का बहुत ही महत्वपूर्ण क्षेत्र है । जनक जननी माँ जानकी की जन्मभूमि, ज्ञान-विज्ञान के लिए प्राचीन काल से ही यह क्षेत्र विश्वविख्यात रहा है ।

यह वह धरती है जहां मर्यादापुरुषोतम राम के चरण स्पर्श से अहिल्या श्रापमुक्त हो गई थी । यह धरती दुलरादयाल और लोरिक जैसे वीरों की धरती है । दूसरी ओर इस धरती पर कवि कोकिल विद्यापति जिनके सेवक के रूप में महादेव ने स्वयं उगना का नौकर बन कर काम किया । इस धरती पर प्राचीन काल से न्यायदर्शन, मीमांशा की उत्पति भी हुई है । यह जग विख्यात है । जब इस विश्वविद्यालय के परिसर राज मैदान में मैथिली को अष्टम अनुसूची में शामिल किया था, तब आदरणीय अटल जी के सम्मान में बहुत बड़ा कार्यक्रम हुआ था । हम इसकी अध्यक्षता और संचालन कर रहे थे । उन्होंने कहा था कि ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय को निश्चित रूप से केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाएगा । माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी के प्रति 8 करोड़ मिथिलावासियों को बहुत आशा और विश्वास है ।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि उसे केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाए, इससे दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, बेगुसराय, चार जिले के लोगों को लाभ होगा । यहां 38 अंगीभूत कॉलेजेज़ हैं और 27 संबद्ध कॉलेजेज़ हैं ।